



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 107]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अप्रैल 21, 2005/वैशाख 1, 1927

No. 107]

NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 21, 2005/VAISAKHA 1, 1927

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 अप्रैल, 2005

अंतिम जांच परिणाम (मध्यावधि समीक्षा)

विषय : यूरोपीय संघ और सिंगापुर के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित विटामिन एडी, 500/100 के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जाँच (मध्यावधि समीक्षा)।

सं. 15/22/2004-डीजीएडी.— वर्ष 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिन्हें इसमें पाटनरोधी नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए :

क. प्रक्रिया

1. निम्नलिखित प्रक्रिया का पालन किया गया है:

(i) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने दिनांक 18/3/2002 की अधिसूचना सं. 16/1/2001-डीजीएडी द्वारा अंतिम जाँच परिणाम अधिसूचित किए थे जिनमें ईयू और सिंगापुर के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित विटामिन एडी, 500/100 के सभी आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की गई थी।

(ii) सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 (यथा संशोधित) तथा इसके अंतर्गत बनाई गई सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति

निर्धारण) नियमावली, 1995 में प्राधिकारी से केन्द्र सरकार द्वारा लगाये गये निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने की आवश्यकता की समय-समय पर समीक्षा करने की अपेक्षा की गई है। यूरोपीय संघ (जिसे इसके बाद ईयू कहा गया है) ने अपने दिनांक 24 अगस्त, 2004 के पत्र द्वारा परिवर्तित परिस्थितियों के मद्देनजर दिनांक 18/3/2002 की अधिसूचना सं० 16/1/2002 में प्राधिकारी द्वारा की गई सिफारिश की समीक्षा शुरू करने का अनुरोध किया है।

(iii) इन अंतिम जाँच परिणामों की समीक्षा का निर्णय लेते हुए, प्राधिकारी ने सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 (यथा संशोधित) और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली 1995 (जिन्हें इसके बाद एडी नियमावली कहा गया है) के अनुसार ईयू और सिंगापुर के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित विटामिन एडी, 500/100 पर पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने की आवश्यकता की समीक्षा के लिए दिनांक 5 जनवरी, 2005 की अधिसूचना सं. 15/22/2004-डीजीएडी द्वारा वर्तमान जाँच शुरू की थी।

(iv) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने मूल पाटनरोधी जाँच में उपलब्ध सूची के अनुसार संबद्ध देशों/क्षेत्रों के दूतावासों, निर्यातकों, आयातकों और घरेलू उद्योग को जाँच शुरूआत संबंधी अधिसूचना की प्रति भेजी थी और उनसे इस समीक्षा जाँच की शुरूआत के 40 दिनों के भीतर लिखित रूप में उन्हें अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया था। किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने जाँच शुरूआत संबंधी अधिसूचना के उत्तर में अपने अनुरोध प्रस्तुत नहीं किए।

(v) वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआई एण्ड एस) से संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरे उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था।

(vi) व्यापक परिचालन हेतु जाँच शुरूआत संबंधी अधिसूचना की प्रतियाँ फिक्की, सीआईआई और एसोचैम को भेजी गई थी।

(vii) प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश वाली सार्वजनिक फाइल निरीक्षण हेतु सभी हितबद्ध पक्षकारों के लिए उपलब्ध कराई थी।

(viii) प्राधिकारी ने दिनांक 23 अप्रैल, 2005 को आयोजित सार्वजनिक सुनवाई में सभी हितबद्ध पक्षकारों को मौखिक रूप से अपने विचारों से अवगत कराने का अवसर प्रदान किया। किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने सार्वजनिक सुनवाई में भाग नहीं लिया।

(ix) किसी भी हितबद्ध पक्षकार द्वारा जाँच शुरूआत संबंधी अधिसूचना का उत्तर नहीं दिया गया था।

(x) नियम 16 के अनुसार इन जाँच परिणामों के लिए आवश्यक तथ्यों/आधारों का ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों के समक्ष प्रकटन दिनांक 7 अप्रैल, 2005 को किया गया था और किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने तथ्यों के प्रकटन संबंधी कोई टिप्पणी नहीं की है।

(xi) पाटन मार्जिन के निर्धारणार्थ जाँच 1 अप्रैल, 2003 से 31 मार्च, 2004 (12 माह) तक की जाँच अवधि (पीओआई) के लिए की गई थी। तथापि, क्षति विश्लेषण के लिए अप्रैल, 2000 - मार्च, 2001 अप्रैल 2001 - मार्च 2002, अप्रैल 2002 - मार्च 2003 तथा जाँच अवधि के लिए सूचना मंगाई गई थी। किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने इस संबंध में सूचना उपलब्ध नहीं कराई है।

ख. विचाराधीन उत्पाद

2. मूल जाँच और वर्तमान समीक्षा में शामिल उत्पाद विटामिन एडी, 500/100 है जो यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की पहली अनुसूची के अध्याय 23 और 29 के अंतर्गत आता है। यह हल्के भूरे रंग का परिष्कृत दानेदार पाउडर है। इसके अलग-अलग अवयव विटामिन ए एसिटेट और विटामिन डी, है जो जिलाटिन और सुक्रोज में माइक्रो एन कैप्सूलेटेड होते हैं। तथापि यह वर्गीकरण मात्र सांकेतिक है और जाँच के कार्यक्षेत्र पर किसी भी तरह से बाध्यकारी नहीं है।

ग. समान वस्तु

3. विटामिन एडी, 500/100 का इस्तेमाल बेहतर पोषण हेतु अपेक्षित विटामिन स्तर उपलब्ध कराने के लिए पशु/कुक्कुट/झींगे के चारे में किया जाता है। इसे कुक्कुट चारा मिलों अंडज उत्पत्तिशालाओं एवं फार्मों में चारे में मिलाया जाता है, जो अपना चारा स्वयं बनाते हैं। मूल जाँच में तथा नियम 2(घ) के अर्थों के भीतर इस समीक्षा में भी घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु को संबद्ध देशों से निर्यातित उत्पाद के समान उत्पाद माना गया है।

घ. घरेलू उद्योग

4. मूल जाँच में पाटनरोधी जांच हेतु याचिका, घरेलू उद्योग की ओर से मै0 निकोलेस पीरामल इंडिया लि0 द्वारा दायर की गई थी। वे भारत में संबद्ध वस्तु के प्रमुख उत्पादक थे तथा पाटनरोधी नियमावली के तहत याचिका दायर करने के लिए उनके पास अपेक्षित अर्हता थी। इस मध्यावधि समीक्षा पाटनरोधी जांच में संबद्ध वस्तु के किसी भी घरेलू उत्पादक ने पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधि समीक्षा की प्रारंभिक अधिसूचना में आसूचना/निवेदन दायर नहीं किया है।

ड. पाटन मार्जिन के परिकलन हेतु प्रणाली:

5. प्राधिकारी ने खंड 9क (1) (ग) के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ संबद्ध वस्तुओं के ज्ञात निर्यातकों (मूल जांच में याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराया गया था) को निर्यातक प्रश्नावली भेजी थी। किसी भी निर्यातक ने प्रारंभिक अधिसूचना के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु सूचना के साथ प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है।

6. याचिकाकर्ता अथवा किसी भी हितबद्ध पार्टी ने सामान्य मूल्य के संबंध में सी प्रकार का निवेदन नहीं किया है। सार्वजनिक सुनवाई में भी किसी भी हितबद्ध पार्टी ने पाटन मार्जिन के निर्धारण के संबंध में किसी प्रकार का निवेदन नहीं किया है।

7. प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तु के ज्ञात निर्यातकों को (मूल जांच में याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराया गया था) भी आयातक प्रश्नावली भेजी है। किसी भी आयातक ने प्रारंभिक अधिसूचना के संबंध में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है। तदनुसार यह माना गया है संबद्ध वस्तु के आयातकों ने सहयोग नहीं किया है और अपेक्षित सूचना प्रस्तुत नहीं की है।

8. घरेलू उद्योग ने भेजे गए आवेदन प्रपत्र में कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। चूंकि किसी भी हितबद्ध पार्टी ने प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है, इसलिए प्राधिकारी पाटनरोधी शुल्क की वर्तमान मध्यावधि समीक्षा में सामान्य मूल्य एवं तत्पश्चात पाटन मार्जिन का निर्धारण नहीं कर सके हैं।

च. क्षति एवं कारणात्मक संबंध:

9. याचिकाकर्ता ने तर्क दिया है कि मूल जांच से लेकर अब तक घरेलू उत्पादक मै0 निकोलस पीरामल लि0 में उल्लेखनीय अवसंरचनात्मक परिवर्तन हुए हैं। अप्रैल, 2002 में मै0 निकोलस पीरामल ने एक अन्य प्रमुख भेषज कम्पनी अर्थात् मै0 रॉन पोलेक इंडिया के साथ विलय किया है। इन दोनों कम्पनियों के विलय से मूल कम्पनी के अनेक उत्पादन केंद्रों को बंदकर, क्षमता उपयोग का यौक्तिकीकरण संभव हुआ है, जिससे वृद्धि एवं लाभप्रदता के एक नए स्तर पर पहुँचने में सफलता मिली है। याचिकाकर्ता ने निवेदन किया है कि वर्ष 2003 की तुलना में वर्ष 2004 में समग्र लाभ में 65% की वृद्धि हुई है यद्यपि बिक्री मात्रा में मामूली वृद्धि हुई है।

10. हितबद्ध पार्टियों से किसी प्रकार के उत्तर के अभाव में प्राधिकारी इस बात की जांच करने में असमर्थ रहे हैं कि क्या संबद्ध देशों से संबद्ध उत्पादों के आयात से घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है अथवा क्षति की संभावना है। घरेलू उद्योग से उत्तर के अभाव में प्राधिकारी घरेलू उद्योग के लिए क्षतिरहित कीमत तथा जांच अवधि के दौरान आयातों के कारण होने वाली क्षति का निर्धारण करने में असमर्थ रहे हैं।

छ. अंतिम जांच परिणाम:

11. उपर्युक्त के अनुसार, प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि किसी भी हितबद्ध पार्टी से उत्तर के अभाव में दोनों के बीच पाटन, वास्तविक क्षति तथा कारणात्मक संबंध जैसे महत्वपूर्ण मानदण्डों का निर्धारण नहीं किया जा सका। किसी हितबद्ध पार्टी द्वारा भागीदारी एवं सहयोग के अभाव में प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुँचने के लिए बाध्य हो गए हैं कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयात पर लगने वाले पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर देने से घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना नहीं है। तथापि, प्राधिकारी, दिनांक 18/3/2002 की अधिसूचना सं. 16/1/2001 डीजीएडी के अनुसार संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं पर लगाए जाने वाले पाटनरोधी शुल्क को समाप्त करने की सिफारिश संबंधी प्रस्ताव करते हैं।

12. उपर्युक्त पर विचार करने के पश्चात प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि

(क) उपर्युक्त के अनुसार, निर्दिष्ट प्राधिकारी, दिनांक 18/3/2002 की अधिसूचना सं. 16/1/2001-डीजीएडी के अनुसार पूर्व में सिफारिश किए गए तथा सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 (यथा संशोधित) के अध्याय 23 एवं 29 के तहत वर्गीकृत संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित विटामिन एडी, 500/100 के सभी आयातों पर लागू पाटनरोधी शुल्कों को समाप्त करने की सिफारिश को उचित मानते हैं।

(ख) इस आदेश के विरुद्ध कोई अपील, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (यथा संशोधित) के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पादशुल्क एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिरण (सेस्टेट) के समक्ष दायर की जा सकेगी।

क्रिस्टी फेर्नान्डेज, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 21st April, 2005

Final Findings (Mid-term Review)

Subject : Anti-Dumping (Mid-Term Review) investigations concerning imports of Vitamin AD₃ 500/100 originating in or exported from European Union and Singapore.

No. 15/22/2004-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 as amended (herein referred to as AD Rules) thereof:

A PROCEDURE

1. The procedure described below has been followed:

i) The Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) notified final findings vide Notification No. 16/1/2001- DGAD dated 18/3/2002 recommending imposition of anti-dumping duties on all imports of Vitamin AD₃ 500/100 originating in or exported from EU and Singapore.

ii) The Customs Tariff Act, 1975 (as amended) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 made thereunder require the Authority to review from time to time, the need for the continued imposition of definitive anti dumping duty imposed by the Central Government. European Union(hereinafter also referred to as EU) vide letter dated 24th August, 2004 had requested for initiating a review of the recommendation made by the Authority vide Notification No. 16/1/2002-DGAD dated 18/3/2002 due to changed circumstances.

iii) Having decided to review these final findings, the Authority initiated the present investigations vide Notification No. 15/22/2004-DGAD dated 5th January 2005 to review the need for continued imposition of anti dumping duty on Vitamin AD₃500/100 from EU and Singapore (hereinafter referred to as subject countries) in accordance with the Customs Tariff Act,1975(as amended) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995(hereinafter referred to as AD Rules). This review covers all aspects of Notification No. 16/1/2001- DGAD dated 18/3/2002.

iv) The Designated Authority sent copy of the Initiation Notification to the embassies of the subject countries / territories, the exporters, importers and the domestic industry as per the list available in the original anti-dumping investigation and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation of this review investigation. None of the interested parties filed their submissions to the initiation notification.

- v) A request was made to the Director General Commercial Intelligence & Statistics (DGCI&S) to make available details of imports of subject goods.
- vi) Copies of the initiation notification were also sent to FICCI, CII and ASSOCHAM for wider circulation.
- vii) The Authority made available the public file to all interested parties containing non-confidential version submitted by interested parties for inspection.
- viii) The Authority provided an opportunity to all interested parties to present their views verbally in the public hearing held on 23rd April, 2005. None of the interested parties attended the public hearing.
- ix) There was no response to the initiation notification by any of the interested parties.
- x) In accordance with Rule 16 supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed on 7th April, 2005 to known interested parties and none of the interested parties made any comments on the disclosure of facts.
- xi) Investigations were carried out for the period of investigation (POI) from 1st April 2003 to 31st March 2004 (12 months) for determination of dumping margin. However information were called for injury analysis for the years April 2000 – March 2001, April 2001 – March 2002, April 2002 – March 2003 and the period of investigation. None of the interested parties filed any information in this regard.

B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION

2. The product involved in the original investigation and the current review is Vitamin AD₃ 500/100 falling under Chapter 23 and 29 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975, as amended. It is a light brown coloured fine granular powder. The individual particles contain Vitamin A acetate and Vitamin D₃ microencapsulated in gelatin and sucrose. This classification however, is indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation.

C. LIKE ARTICLE

3. Vitamin AD₃ 500/100 is used in animal/poultry/prawn feed to provide required vitamin level for better nutrition. It is added to the poultry feed at the poultry feed mills, hatcheries and farms who make their own feed. The subject goods produced by domestic industry have been treated as like article to the product exported from subject countries in the original investigation and this review also within the meaning of Rule 2(d).

D. DOMESTIC INDUSTRY

4. In the original investigation the application for anti dumping investigation was filed by M/s Nicholas Piramal India Ltd., on behalf of domestic industry. They were the major producer of the subject goods in India and had the required standing to file the petition under AD Rules. In this mid-term review anti-dumping investigation none of the

domestic producer of the subject goods filed the information / submissions to the initiation notification of the mid-term review of the anti-dumping duty.

E. METHODOLOGY FOR CALCULATION OF DUMPING MARGIN:

5. The Authority sent exporters questionnaire to the known exporters (provided by the petitioner in the original investigation) of subject goods for the purpose of determination of normal value in accordance with Section 9A (1) (c). None of the exporters responded to the Authority with information for determination of normal value to the initiation notification.

6. Neither the applicant nor any of the interested parties made any submission regarding the normal value. In the public hearing also none of the interested parties made any submission with regard to determination of dumping margin.

7. The Authority also sent importer's questionnaire to known importers (provided by the petitioner in the original investigation) of the subject goods. None of the importers responded to the Authority to the initiation notification. Accordingly it was held that importers of subject goods have also not cooperated and filed the required information.

8. The domestic industry did not file any response in the application pro-forma sent to them. Since none of the interested parties responded to the questionnaire, the Authority could not determine the normal value and subsequently dumping margin in the present mid-term review of anti-dumping duty.

F. INJURY AND CAUSAL LINK:

9. The petitioner has argued that the domestic producer M/s. Nicholas Piramal Ltd., has undergone a significant structural change since the original investigation. In April 2002 M/s. Nicholas Piramal has merged with another major pharmaceutical company i.e., M/s. Rhone Poulenc, India. The merger of this two companies made it possible to rationalise capacity utilization by closing down the number of production centres of the original company leading towards a new level of growth and profitability. The petitioner has submitted that the overall profit has increased by 65% in 2004 compared with 2003 although sales volume has increased marginally.

10. In absence of any response from interested parties, the Authority could not examine whether the imports of subject goods from subject countries have caused material injury to the domestic industry or likely to cause injury to domestic industry. The Authority could not determine the non-injurious price for the domestic industry and also could not determine any injury due to imports during the period of investigation in absence of response from domestic industry.

G. FINAL FINDINGS:

11. From the above, the Authority has concluded that in absence of any response from any of the interested parties, the critical parameters such as dumping, material injury and the causal relationship between the two could not be established. In the absence of

participation and cooperation from any of the interested parties, the Authority is constrained to conclude that cessation of anti-dumping duty on imports of subject goods from subject countries is not likely to lead to continuation or recurrence of injury to the domestic industry. Hence, the Authority proposes to recommend to discontinue the anti-dumping duty on imports of subject goods from subject countries imposed vide Notification No. 16/1/2001- DGAD dated 18/3/2002.

12. The Authority after considering the foregoing, concludes that:

(a) In view of the above, the Designated Authority considers it appropriate to recommend discontinuation of the anti-dumping duties recommended earlier vide Notification No. 16/1/2001- DGAD dated 18/3/2002 and imposed on all imports of Vitamin AD₃ 500/100 classified under chapter 23 and 29 of the Customs Tariff Act, 1975 (as amended) originating in or exported from subject countries.

(b) An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) in accordance with the Customs Tariff Act, 1975(as amended).

CHRISTY FERNANDEZ, Designated Authority